अध्याय 11 | लखनवी अंदाज

- यशपाल

प्र 1 लेखक यशपाल का संक्षिप्त परिचय दें।

उत्तर- लेखक यशपाल का जन्म 1930 ईस्वी में पंजाब के फिरोजपुर छावनी में हुआ।उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा कांगड़ा से प्राप्त किया एवं बीए लाहौर के नेशनल कॉलेज से प्राप्त किया।

वे लाहौर में भगत सिंह और सुखदेव से मिले ,वहीं से उनमें क्रांतिकारी की भावना जगी सन 1976 में उनका निधन हो गया।

प्रमुख रचनाएँ - ज्ञानदान, तर्क का तूफान , पिंजड़े की उड़ान, फूलों का कुर्ता आदि कहानी संग्रह है। झूठा - सच, अमिता, दिव्या ,पार्टी कामरेड ,दादा कामरेड, तेरी मेरी उसकी बात आदि उनके प्रमुख उपन्यास हैं।

प्र 2 लखनवी अंदाज पाठ का संक्षिप्त परिचय दें।

उत्तर- लेखक यशपाल द्वारा रचित लखनवी अंदाज एक व्यंग्य लेख है। ऐतिहासिक रूप से लखनऊ का अपना इतिहास रहा है ,इसे नवाबों का शहर कहा गया है ।लेखक ने इस पाठ में पतनशील सामंती वर्ग पर प्रहार किया है उन्होंने इस पाठ के माध्यम से बनावटी जीवन जीने वाले व्यक्ति पर कटाक्ष किया है।

लेखक खाली समय में कहानी का विषय ढूंढ रहे थे, उन्हें कुछ काम नहीं था। वे केवल कहानी और पात्रों की खोज के उद्देश्य से ट्रेन के सेकंड क्लास की बोगी में चढ़ जाते हैं, उन्हें वहाँ एक नवाबी किस्म का व्यक्ति मिलता है जिसने अपने साथ तौलिए में लपेटा हुआ खीरा रखा है। लेखक को वह शक की निगाह से देखता है,उसे थोड़ी असुविधा होती है क्योंकि वह लेखक के पहुंचने से नाखुश लगता है ।थोड़ी देर बाद वह उस खीरे को चार भागों में काटता है और नमक मिर्च डालकर लेखक को देने का प्रस्ताव देता है लेकिन लेखक इसे मना करता है । इसके बाद व्यक्ति उस खीरे को ना खाकर उसे ट्रेन की खिड़की से फेंक देता है।

बहु वैकल्पिक प्रश्न उत्तर-

प्र 1. लखनवी अंदाज के लेखक कौन हैं?

क. प्रेमचंद ख. यशपाल
ग. निराला घ. नागार्जुन

उत्तर- ख. यशपाल

प्र 2. लखनऊ किस प्रदेश की राजधानी है?

क. उत्तर प्रदेश ख. मध्य प्रदेश
ग. हिमाचल प्रदेश घ. आंध्र प्रदेश

उत्तर- क. उत्तर प्रदेश

प्र 3. ट्रेन के किस क्लास में लेखक सफर कर रहा था?

क. फर्स्ट क्लास ख. सेकंड क्लास
ग. थर्ड क्लास घ. सामान्य बोगी

उत्तर- ख. सेकंड क्लास

प्र 4. लेखक यशपाल का जन्म कब हुआ था?

क. 1803 ईसवी में ख. 1903 ईस्वी में
ग. 1973 ईस्वी में घ. 1963 ईस्वी में

उत्तर- ख. 1903ईस्वी में

प्र 5. लखनवी अंदाज किस प्रकार की रचना है?

क. व्यंग्य ख. उपन्यास
ग. कहानी। घ. निबंध

उत्तर- क. व्यंग्य

अति संक्षिप्त प्रश्न उत्तर-

प्र 1. लेखक यशपाल की मृत्यु कब हुई?

उत्तर- 1976में।

प्र2. लेखक यशपाल के किसी एक उपन्यास का नाम बताएं।

उत्तर- झूठा सच

प्र 3. ट्रेन में यात्रा करते समय लेखक किससे मिलता है?

उत्तर- नवाबी नस्ल के एक व्यक्ति से।

प्र 4. लेखक ट्रेन में किस उद्देश्य से यात्रा कर रहा था?

उत्तर- कहानी की तलाश में।

प्र 5. नवाबी नस्ल के व्यक्ति ने लेखक को क्या देने की पेशकश की थी?

उत्तर- खीरा

संक्षिप्त प्रश्न उत्तर-

प्र 1. लेखक ने सेकंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा था?

उत्तर- लेखक को नई कहानी और नए पात्रों की तलाश थी उन्हें लगता था कि ट्रेन में सफर करने के क्रम में खिड़कियों से प्राकृतिक नजारा देखने के क्रम में नई कहानी एवं नए पात्र मिल जाएंगे इसलिए उन्होंने सेकंड क्लास का टिकट खरीदा था।

प्र 2. नवाब ने खीरे के फांकों को खिड़की से बाहर क्यों फेंक दिया?

उत्तर- नवाबी नस्ल के उस सफेदपोश व्यक्ति के ठीक सम्मुख लेखक बैठा हुआ था। उसने देखा कि उस व्यक्ति ने खीरे को बड़े तरीके से काटा और लेखक को भी देने का प्रयास किया लेकिन लेखक ने मना कर दिया। नवाबी नस्ल के उस व्यक्ति ने लेखक को अपनी रईसी दिखाने के लिए खीरे के फांकों को खिड़की से बाहर फेंक दिया।

प्र 3. लेखक ने खीरा खाने से क्यों मना कर दिया?

उत्तर- लेखक सेकंड क्लास की बोगी में प्रवेश करते हैं ।उसने नवाबी नस्ल के उस व्यक्ति को देखा और समझ गया

कि उसे लेखक के पहुंचने से अच्छा नहीं लगा ।जब उसने पहली बार खीरा देने की पेशकश की तो लेखक ने मना कर दिया। जब दूसरी बार फिर यही बात दोहराई तो उन्होंने अपने आत्मसम्मान की रक्षा के लिए पुनः मना कर दिया।

प्र 4. लखनवी अंदाज पाठ में लेखक ने मुख्यतः किस पर व्यंग्य किया है?

उत्तर- लखनवी अंदाज पाठ में लेखक ने पतनशील सामंती वर्ग पर व्यंग्य किया है। उन्होंने इस पाठ के माध्यम से दिखावटी और बनावटी जीवन जीने वाले लोगों पर कटाक्ष किया है। उन्होंने देखा कि नवाबी नस्ल के उस व्यक्ति ने कैसे खीरे के फांको को सूँघकर फेंक दिया है यह केवल लेखक को दिखाने के लिए था।

प्र 5. लेखक को ट्रेन में सफर करने के क्रम में नई कहानी और पात्र कैसे मिल जाते हैं?

उत्तर- लेखक नई कहानी और पात्र की तलाश के उद्देश्य से ही ट्रेन में सफर कर रहा था। उसे यह उम्मीद नहीं थी कि नवाबी नस्ल का वह व्यक्ति ही उसकी नई कहानी का पात्र होगा लेकिन उनकी दिखावटी और बनावटी व्यवहार के कारण लेखक के लिए नवाबी नस्ल का वही व्यक्ति उनकी अगली कहानी का पात्र बन गया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न उत्तर-

प्र 1. लेखक को नवाबी नस्ल के सफेदपोश व्यक्ति का व्यवहार कैसे दिखावटी और बनावटी लगा?

उत्तर- लेखक नई कहानी और नए पात्रों की तलाश में ट्रेन में सफर कर रहा था। एकांत की तलाश में उसने ट्रेन के सेकंड क्लास का टिकट खरीदा ,जब वह बोगी में घुसा तो लेखक की उम्मीद के विपरीत वहां नवाबी नस्ल का एक व्यक्ति बैठा हुआ था ।उनके पहुंचने से उस व्यक्ति को अच्छा नहीं लगा उसने सोचा कि सेकंड क्लास में सफर अन्य लोग नहीं कर सकते अथवा अन्य लोगों का ट्रेन के सेकंड क्लास में सफर करना उन्हें अच्छा नहीं लगा ।जब वह बैठता है तो देखता है , वह व्यक्ति बालम खीरा निकालता है और तरीके से काटता है ,उस खीरे के कटे हुए भागों में वह नमक_मिर्च छिड़कता है और उसे केवल सूंघ करके खिड़की के बाहर फेंक देता है। उस व्यक्ति ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उसके सम्मुख लेखक बैठा हुआ था और वह लेखक को यह दिखाने का प्रयास कर रहा था कि वह कितना रईस है । इस प्रकार उस व्यक्ति का व्यवहार लेखक को बहुत बनावटी और दिखावटी लगा।

प्र 2. लेखक ने लखनवी अंदाज पाठ के माध्यम से सामंती विचार और व्यवहार पर प्रहार किया है। पाठ के आधार पर इसकी पुष्टि कीजिए।

उत्तर- नवाबी नस्ल के सफेदपोश व्यक्ति के चरित्र के माध्यम से लेखक ने सामंती विचार और व्यवहार पर प्रहार किया लेखक जब सेकंड क्लास के बोगी में चढ़ता है तो उस व्यक्ति को यह अच्छा नहीं लगता है उसे लगा होगा कि सेकंड क्लास की बोगी में कौन आ गया है उसने लेखक को उपेक्षा की दृष्टि से देखा और कुछ समय के बाद उन्होंने खुद लेखक से संपर्क करने का प्रयास किया लेखक संकोच भाव से उनसे मिला लेकिन कुछ समय के बाद उस व्यक्ति ने लेखक के सामने खीरे की फांकों को फेंक कर बनावटी और दिखावटी व्यवहार का नजारा पेश किया। लेखक को उस व्यक्ति से ऐसे व्यवहार की अपेक्षा नहीं थी लेकिन कुछ समय के बाद वह समझ गया कि वह सामंती विचारों का शिकार है। ऐसे चरित्र वाले व्यक्ति अक्सर औरों के सामने दिखावा करते हैं। उनको देखकर ऐसा नहीं लग रहा था कि वह जितना दिखा रहा है, वही उसकी असली स्थिति है।वह लेखक को प्रभावित करने के लिए खीरे जैसी अपदार्थ वस्तु को फेंककर साबित कर दिया कि वह अपनी वास्तविक स्थिति से ज्यादा बन रहा है लेखक समझ गया कि वह सामंती विचारों से ग्रसित है।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न उत्तर-

प्र 1. लेखक को नवाब साहब के किन हाव-भाव से महसूस हुआ कि वे उनसे बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं हैं?

उत्तर- सेकंड क्लास के डिब्बे में जब लेखक चढ़ता है और देखता है कि वहां सफेदपोश व्यक्ति बैठा हुआ है ।वह व्यक्ति लेखक को देखकर असंतोष जाहिर करता है। ऐसा लगा मानो लेखक के आने से उसके एकांत में बाधा पड़ गई वह खिड़की से बाहर देखने का नाटक कर रहा था, इसके साथ ही साथ वह डिब्बे के चारों तरफ की स्थिति को टटोल रहा था लेकिन लेखक से नजर नहीं मिलाया लेखक को मालूम हो गया कि वह लेखक से बात करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं है।

प्र2. नवाब साहब ने बहुत ही यत्न से खीरा काटा ,नमक - मिर्च बुर्का, अंततःसूंघकर ही खिड़की से बाहर फेंक दिया। उन्होंने ऐसा क्यों किया होगा ?उनका ऐसा करना उनके कैसे स्वभाव को इंगित करता है?

उत्तर- नवाबों के व्यवहार में हमेशा दूसरों के सामने अपनी नवाबी जमाने की बात रहती है । इस प्रकार के व्यक्ति हमेशा अन्य समाज अथवा सामान्य समाज के व्यवहार से इतर अपना व्यवहार एवं चरित्र दिखाते हैं ।उन्हें सामान्य लोगों के जैसा व्यवहार करना अच्छा नहीं लगता है ।वे हमेशा दिखावटी व्यवहार करने के पक्ष में रहते हैं।जब वह लेखक से मिलता है,तो उसे अपनी नवाबी व्यवहार दिखाने का अवसर मिल जाता है ।उसका विचार था कि वह लेखक के सामने ऐसा व्यवहार कर लेखक को प्रभावित कर ले लेकिन लेखक इस बात को समझ जाता है। उनका ऐसा व्यवहार अंततः सामंती व्यवहार की ओर इशारा करता है।

प्र3. बिना विचार, घटना और पात्रों के भी क्या कहानी लिखी जा सकती है। यशपाल के इस विचार से आप कहां तक सहमत हैं?

उत्तर- बिना घटना अथवा पात्रों के कहानी नहीं लिखी जा सकती है। कहानी के लिए घटना एवं पात्रों का होना बहुत जरूरी है ।कहानी का अर्थ ही है - "क्या हुआ।" यदि कुछ घटना घटी ही नहीं तो "क्या हुआ" का पता कैसे चलेगा। अतः यशपाल के इस विचार से हम पूर्णतः सहमत हैं कि घटना और पात्रों के बिना कहानी नहीं लिखी जा सकती है।

प्र 4 आप इस निबंध को और क्या नाम देना चाहेंगे?

उत्तर- ख्याली पुलाव।